

# **Brahmi Script**

**Basic Course**

**In**

**Indian Numismatics**

**By**

**Indian Coin Society**

**Nagpur**

**(26<sup>th</sup> Shukla Day Coin & Philately Fair 2017)**

**21, 22 & 23<sup>rd</sup> April**

**Organised by – Todywalla Auctions**



# INDIAN COIN SOCIETY

2nd FLOOR PUNYAI APARTMENTS  
217 BAJAJ NAGAR, NAGPUR 440010



## BASIC COURSE IN INDIAN NUMISMATICS

(For beginners to learn basics of Indian Archaeology, History, Brahmi, and the art of identifying coins with practical hands on experience).

AT World Trade Centre, On the occasion of Shukla Day Celebrations,  
21st April, to 23rd April  
11 AM TO 2 PM. Each Day.

## FACULTY

PROF CHANDRASHEKHAR GUPTA  
Dr DHIRAJ CHAUDHARY  
SHRI PRASHANT KULKARNI

JOINING FEES RS 300 FOR THE  
WHOLE SESSION OF 3 DAYS.  
BISCUITS AND TEA  
INCLUDED BUT NOT ACCOMMODATION.



## CONTACT:

Farokh S. Todywalla, Trustee, Indian Coin Society, 9820054404  
Ashok Singh Thakur, General Secretary, ICS, 9422136424



**INDIAN COIN SOCIETY**

217 Bajaj Nagar, 2nd Floor, Nagpur 440022

*Basic Course  
in Indian Numismatics*

*Brahmi Script*



## 2. वर्णमाला

अशोक के समय की ब्राह्मी लिपी में छह स्वरों का प्रयोग हुआ है। इसमें—अ, इ, उ, तीन मूल स्वर हैं। आ, ए, ओ, योगिक या संजात स्वर हैं। तथा व्यंजनों की संख्या तैंतिस है।

### स्वर (Vowels)

अ (A)	𑀅 𑀆	आ (Ā)	𑀇 𑀈
इ (I)	𑀉	ए (E)	𑀊
उ (U)	𑀋	ओ (O)	𑀌

### व्यंजन (Consonants)

क (KA)	𑀍	ख (KHA)	𑀎 𑀏
ग (GA)	𑀐	घ (GHA)	𑀑
ङ (ṆA)	𑀒	च (CA)	𑀓
छ (CHA)	𑀔	ज (JA)	𑀕
झ (JHA)	𑀖	ञ (NA)	𑀗

ट (ṬA)	᳚	ठ (ṬHA)	᳚
ड (ḌA)	᳛	ढ (ḌHA)	᳛
ण (ṆA)	᳜	त (TA)	᳚
थ (THA)	᳚	द (DA)	᳚
ध (DHA)	᳚	न (NA)	᳚
प (PA)	᳚	फ (PHA)	᳚
ब (BA)	᳚	भ (BHA)	᳚
म (MA)	᳚	य (YA)	᳚
र (RA)	᳚	ल (LA)	᳚
व (VA)	᳚	श (ŚA)	᳚ ᳚ ᳚
ष (ṢA)	᳚	स (SA)	᳚
ह (HA)	᳚		



### 3. अशोककालीन लिपि की मात्रायें

मात्राओं के लिए अशोक लिपि में अलग से चिन्ह बनाये जाते थे। जो निम्न प्रकार के हैं।

(1) 'आ' की मात्रा के लिए अक्षर के ऊपर दाहिनी ओर आड़ी पाई (—) बनाई जाती थी। पाई को अक्सर ऊपरी सिरे पर लगाते थे। लेकिन ज, ट, ठ, ण, थ, ब शब्दों में मध्य में दी जाती है।

का खा गा घा चा छा जा

𑀓 𑀘 𑀕 𑀖 𑀔 𑀗 𑀚

झा टा ठा डा ढा णा ता

𑀛 𑀭 𑀭 𑀮 𑀯 𑀰 𑀱

था दा धा ना पा फा बा

𑀲 𑀳 𑀴 𑀵 𑀶 𑀷 𑀸

भा मा या रा ला वा शा

𑀹 𑀺 𑀻 𑀼 𑀽 𑀾 𑀿

षा सा हा

𑀽 𑀾 𑀿



(2) 'इ' (1) की समकोण के आकार की मात्रा निश्चित थी। जो व्यंजन की दाहिनी ओर ऊपर (┘) की तरफ लगाई जाती थी। परंतु कहीं-कहीं समकोण के स्थान पर गोलाईदार या तिरछी लकीर भी मिलती है।

कि खि गि धि चि छि जि

𑂔 𑂕 𑂖 𑂗 𑂘 𑂙 𑂚

झि टि ठि डि ढि णि ति

𑂛 𑂜 𑂝 𑂞 𑂟 𑂠 𑂡

थि दि धि नि पि फि बि

𑂣 𑂤 𑂥 𑂦 𑂧 𑂨 𑂩

भि मि यि रि लि वि शि

𑂫 𑂬 𑂭 𑂮 𑂯 𑂰 𑂱 𑂲

षि सि हि

𑂴 𑂵 𑂶



(3) 'ई' (I) की मात्रा का (𑀓) चिन्ह है, जो व्यंजन की दाहिनी ओर ऊपर की तरफ जोड़ा जाता है। परन्तु कहीं-कहीं आड़ी सीधी लकीर को तिरछा कर दिया गया है। समकोण के स्थान पर गोलाई मिलती है। 'थ' के साथ केवल दो तिरछी लकीरें ही लगा दी गई हैं।

की खी गी घी ची छी जी

𑀓𑀲 𑀓𑀸 𑀓𑀺 𑀓𑀻 𑀓𑀽 𑀓𑀿 𑀓𑀾

झी टी ठी डी ढी णी ती

𑀓𑀺𑀲 𑀓𑀺𑀸 𑀓𑀺𑀻 𑀓𑀺𑀼 𑀓𑀺𑀽 𑀓𑀺𑀾 𑀓𑀺𑀿

थी दी धी नी पी फी बी

𑀓𑀺𑀻𑀲 𑀓𑀺𑀻𑀸 𑀓𑀺𑀻𑀺 𑀓𑀺𑀻𑀼 𑀓𑀺𑀻𑀽 𑀓𑀺𑀻𑀾 𑀓𑀺𑀻𑀿

भी मी यी री ली वी शी

𑀓𑀺𑀻𑀲𑀲 𑀓𑀺𑀻𑀲𑀸 𑀓𑀺𑀻𑀲𑀺 𑀓𑀺𑀻𑀲𑀼 𑀓𑀺𑀻𑀲𑀽 𑀓𑀺𑀻𑀲𑀾 𑀓𑀺𑀻𑀲𑀿

षी सी ही

𑀓𑀺𑀻𑀲𑀾𑀲 𑀓𑀺𑀻𑀲𑀾𑀸 𑀓𑀺𑀻𑀲𑀾𑀺



(4) 'उ' की मात्रा व्यंजन के नीचे एक खड़ी (I) या आड़ी (—) लकीर लगाई जाती है। व्यंजनों का निचला हिस्सा गोल या आड़ी लकीर वाला होता है। उनके साथ खड़ी और जिनका खड़ी लकीर वाला होता है उनके साथ आड़ी लकीर दाहिनी ओर लगाई जाती है।

कु	खु	गु	घु	चु	छु	जु
†	∩	∧	५	d	Φ	E
झ	ड	डु	डु	डु	णु	तु
ॢ	ॣ	।	॥	०	३	८
थु	डु	धु	नु	पु	फु	बु
०	ॢ	ॣ	॥	५	५	०
भु	मु	यु	रु	लु	वु	शु
ॢ	ॣ	५	॥	५	०	↑ ∩
षु	सु	ह				
ॢ	ॣ	५				

(5) 'ऊ' (दीर्घ) यह स्वर उ+उ (L L) मिलकर (L) दीर्घ 'ऊ' बनाया जाता है। यह व्यंजन के नीचे दो खड़ी (||) या आड़ी (=) लकीरें लगाई जाती हैं। ह्रस्व 'उ' में जिस प्रकार से खड़ी व आड़ी लकीरें लगाई जाती हैं उसी प्रकार से एक खड़ी व आड़ी (|| =) लकीरें लगाई जाती हैं।

कू	खू	गू	घू	चू	छू	जू
𑂔	𑂕	𑂖	𑂗	𑂘	𑂙	𑂚
झू	डू	ढू	डू	ढू	णू	तू
𑂛	𑂜	𑂝	𑂞	𑂟	𑂠	𑂡
थू	दू	धू	नू	पू	फू	बू
𑂣	𑂤	𑂥	𑂦	𑂧	𑂨	𑂩
भू	मू	यू	रू	लू	वू	शू
𑂫	𑂬	𑂭	𑂮	𑂯	𑂰	𑂱
षू	सू	हू				
𑂳	𑂴	𑂵				



(6) 'ए' (E) स्वर को स्वर अ + इ मिलाकर बनाया जाता था। इसके लिए जो मात्रा प्रयोग में लायी जाती थी। वह व्यंजन के सिरे पर किन्तु कभी-कभी मध्य में बाई ओर (—) एक आड़ी लकीर लगाई जाती है।

के	खे	गे	घे	चे	छे	जे
𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒
झे	टे	ठे	डे	ढे	णे	ते
𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒
थे	दे	धे	ने	पे	फे	बे
𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒
भे	मे	ये	रे	ले	वे	शे
𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒	𑂒
षे	से	हे				
𑂒	𑂒	𑂒				

(7) 'ऐ' (AI) यह स्वर को आ+उ मिलाकर 'ऐ' बनाया जा सकता है। इसके लिए जो मात्रा प्रयोग में लायी जाती थी वह व्यंजन के बाई सिर पर परन्तु कभी-कभी मध्य में दो (=) आड़ी पाई के रूप में बना सकते हैं। अशोक के लेखों में ऐ की मात्रा के विरल उदाहरण हैं। उसमें 'थै' व्यंजन मिलता है।

कै	खै	गै	घै	चै	छै	जै
𑀓	𑀔	𑀕	𑀖	𑀗	𑀘	𑀙
झै	टै	ठै	डै	ढै	णै	तै
𑀚	𑀛	𑀜	𑀝	𑀞	𑀟	𑀠
थै	दै	धै	नै	पै	फै	बै
𑀡	𑀢	𑀣	𑀤	𑀥	𑀦	𑀧
भै	मै	यै	रै	लै	वै	शै
𑀨	𑀩	𑀪	𑀫	𑀬	𑀭	𑀮
षै	सै	है				
𑀯	𑀰	𑀱				



(8) 'ओ' (O) के लिए स्वर आ+ए की मात्राओं का संयुक्त रूप 'ओ' की मात्रा सिरे पर बाई और दाहिने भाग में लगाई जाती थी।

को	खो	गो	घो	चो	छे	जो
𑂓	𑂔	𑂕	𑂖	𑂗	𑂘	𑂙
झो	वे	वे	डे	बे	णो	तो
𑂚	𑂛	𑂜	𑂝	𑂞	𑂟	𑂠
थो	दो	धो	नो	पो	फो	बो
𑂡	𑂢	𑂣	𑂤	𑂥	𑂦	𑂧
भो	मो	यो	रो	लो	वो	शो
𑂨	𑂩	𑂪	𑂫	𑂬	𑂭	𑂮
षो	सो	हो				
𑂯	𑂰	𑂱				

(9) 'औ' का चिन्ह अशोक के लेख में नहीं है किन्तु उसमें ओ के चिन्ह से इतनी विशेषता है कि बाई ओर ए (—) के स्थान में दो आड़ी लकीरें (=) होती हैं।

(10) अनुस्वार : इसके लिए अक्षर के दाहिनी ओर बिन्दु रख देते थे। बिन्दु अक्षर के ऊपरी भाग के पास ही होता था। यह कभी-कभी बीच में और विरल उदाहरणों में पाद भाग में भी देखने को मिलता है।

कं	खं	गं	घं	चं	छं	जं
𑀓	𑀘	𑀛	𑀝	𑀜	𑀞	𑀚
झं	टं	ठं	डं	ढं	णं	तं
𑀭	𑀮	𑀯	𑀰	𑀱	𑀲	𑀳
थं	दं	धं	नं	पं	फं	बं
𑀹	𑀺	𑀻	𑀼	𑀽	𑀾	𑀿
भं	मं	यं	रं	लं	वं	शं
𑀹	𑀺	𑀻	𑀼	𑀽	𑀾	𑀿
षं	सं	हं				
𑀹	𑀺	𑀻				



## 4. संयुक्त अक्षर (CONJUNCTS)

अशोक लिपि में संयुक्त अक्षर काफी कम प्रयोग किये गये हैं। संयुक्त अक्षरों में पहले उच्चारण होने वाले को ऊपर और पीछे उच्चारण होने वाले को उसके नीचे जोड़ा है, जो शुद्ध है। परन्तु कहीं-कहीं दूसरे को ऊपर और पहले को नीचे लिखा गया है, जो अशुद्ध है।

क्य	± ±	न्य	±	स्त	±
क्र	±	प्र	± ±	स्त	± ±
ख्य	± ±	त	± ±	स्प	±
ग्य	±	ब्रा	±	स्म	±
च्य	±	भ्य	±	स्य	±
त्य	±	म्य	± ±	स्व	±
त्र	± ±	म्ह	±	ह्य	±
त्व	±	व्य	±	ह्येव	±
द्र	±	य्व	± ±	ह्य	±
द्व	± ±	व्र	± ±	र्स	±
ध्य	±	ख्व	±	ह्री	±

## 5. बारहखड़ी

क	का	कि	की	कु	कू	के	कै	को	कं
+	f	f	f	t	t	7	7	f	+
ख	खा	खि	खी	खु	खू	खे	खै	खो	खं
1	1	1	1	2	2	1	1	1	1
ग	गा	गि	गी	गु	गू	गे	गै	गो	गं
^	^	^	^	^	^	^	^	^	^
घ	घा	घि	घी	घु	घू	घे	घै	घो	घं
l	l	l	l	l	l	l	l	l	l
च	चा	चि	ची	चु	चू	चे	चै	चो	चं
v	v	v	v	v	v	v	v	v	v
छ	छा	छि	छी	छु	छू	छे	छै	छो	छं
o	o	o	o	o	o	o	o	o	o
ज	जा	जि	जी	जु	जू	जे	जै	जो	जं
E	E	E	E	E	E	E	E	E	E
झ	झा	झि	झी	झु	झू	झे	झै	झो	झं
+	+	+	+	+	+	+	+	+	+



ट	ठा	ठि	ठी	ड	डू	ढे	ढै	ढो	ढं
८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
ठ	ठा	ठि	ठी	ड	डू	ढे	ढै	ढो	ढं
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
ड	डा	डि	डी	ड	डू	डे	डै	डो	डं
८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
ढ	ढा	ढि	ढी	ड	डू	ढे	ढै	ढो	ढं
८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
ण	णा	णि	णी	णु	णू	णे	णै	णो	णं
८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
त	ता	ति	ती	तु	तू	ते	तै	तो	तं
८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
थ	था	थि	थी	थु	थू	थे	थै	थो	थं
०	०	०	०	०	०	०	०	०	०
द	दा	दि	दी	दु	दू	दे	दै	दो	दं
८	८	८	८	८	८	८	८	८	८
ध	धा	धि	धी	धु	धू	धे	धै	धो	धं
८	८	८	८	८	८	८	८	८	८

न	ना	नि	नी	नु	नू	ने	नै	नो	नं
𑂔	𑂕	𑂖	𑂗	𑂘	𑂙	𑂚	𑂛	𑂜	𑂝
प	पा	पि	पी	पु	पू	पे	पै	पो	पं
𑂞	𑂟	𑂠	𑂡	𑂢	𑂣	𑂤	𑂥	𑂦	𑂧
फ	फा	फि	फी	फु	फू	फे	फै	फो	फं
𑂨	𑂩	𑂪	𑂫	𑂬	𑂭	𑂮	𑂯	𑂰	𑂱
ब	बा	बि	बी	बु	बू	बे	बै	बो	बं
𑂲	𑂳	𑂴	𑂵	𑂶	𑂷	𑂸	𑂹	𑂺	𑂻
भ	भा	भि	भी	भु	भू	भे	भै	भो	भं
𑂼	𑂽	𑂾	𑂿	𑃀	𑃁	𑃂	𑃃	𑃄	𑃅
म	मा	मि	मी	मु	मू	मे	मै	मो	मं
𑃆	𑃇	𑃈	𑃉	𑃊	𑃋	𑃌	𑃍	𑃎	𑃏
य	या	यि	यी	यु	यू	ये	यै	यो	यं
𑃐	𑃑	𑃒	𑃓	𑃔	𑃕	𑃖	𑃗	𑃘	𑃙



र रा रि री रु रू रे रै रो रं

। ॢ ॣ । ॥ ६ १ २ ३ ४

ल ला लि ली लु लू ले लै लो लं

५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४

व वा वि वी वु वू वे वै वो वं

१५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४

श शा शि शी शु शू शे शै शो शं

२५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४

ष षा षि षी षु षू षे षै षो षं

३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४

स सा सि सी सु सू से सै सो सं

४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४

ह हा हि ही हु हू हे है हो हं

५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४

## 6. अशोक के शिलालेखों में मिलने वाले ब्राह्मी लिपि के विभिन्न रूप

अ	𑀓	𑀔	𑀕	𑀖	𑀗	𑀘	𑀙	𑀚	𑀛
आ	𑀜	𑀝	𑀞	𑀟	𑀠	𑀡	𑀢	𑀣	𑀤
इ	𑀥	𑀦	𑀧	𑀨					
उ	𑀩	𑀪	𑀫	𑀬					
ए	𑀭	𑀮	𑀯	𑀰	𑀱	𑀲	𑀳	𑀴	
ओ	𑀵	𑀶	𑀷	𑀸					
क	𑀹	𑀺	𑀻	𑀼	𑀽	𑀾	𑀿	𑁀	𑁁
ख	𑁂	𑁃	𑁄	𑁅	𑁆	𑁇	𑁈	𑁉	𑁊
ग	𑁋	𑁌	𑁍	𑁎	𑁏	𑁐	𑁑	𑁒	𑁓
घ	𑁔	𑁕	𑁖						
च	𑁗	𑁘	𑁙	𑁚	𑁛	𑁜	𑁝	𑁞	
छ	𑁟	𑁠	𑁡	𑁢					
ज	𑁣	𑁤	𑁥	𑁦	𑁧	𑁨	𑁩	𑁪	𑁫





# आओ ब्राह्मी लिपि सीखें

इ	𑌒	𑌓	𑌔	𑌕					
उ	𑌖	𑌗	𑌘						
ऋ	𑌙	𑌚	𑌛	𑌜	𑌝	𑌞	𑌟	𑌠	𑌡
ॠ	𑌢	𑌣	𑌤	𑌥	𑌦				
ऌ	𑌧	𑌨	𑌩	𑌪	𑌫	𑌬	𑌭		
ॡ	𑌮	𑌯	𑌰	𑌱	𑌲	𑌳	𑌴		
ण	𑌵	𑌶	𑌷	𑌸	𑌹				
त	𑌺	𑌻	𑌼	𑌽					
थ	𑌾	𑌿	𑍀	𑍁	𑍂	𑍃	𑍄		
द	𑍅	𑍆	𑍇	𑍈	𑍉	𑍊	𑍋	𑍌	𑍍
ध	𑍎	𑍏	𑍐	𑍑	𑍒	𑍓	𑍔	𑍕	𑍖
न	𑍗	𑍘	𑍙	𑍚	𑍛			𑍜	𑍝
प	𑍞	𑍟	𑍠	𑍡					
फ	𑍢	𑍣	𑍤						
ब	𑍦	𑍧	𑍨	𑍩	𑍪				
भ	𑍬	𑍭	𑍮	𑍯	𑍰	𑍱			
म	𑍴	𑍵	𑍶	𑍷	𑍸	𑍹	𑍺	𑍻	𑍼

य	𑂔	𑂕	𑂖	𑂗	𑂘	𑂙	𑂚	𑂛	𑂜	𑂝
र	𑂞	𑂟	𑂠	𑂡	𑂢					
ल	𑂣	𑂤	𑂥	𑂦	𑂧					
व	𑂨	𑂩	𑂪	𑂫	𑂬	𑂭	𑂮	𑂯		
श	𑂰	𑂱	𑂲	𑂳	𑂴					
ष	𑂵	𑂶	𑂷	𑂸	𑂹	𑂺	𑂻			
स	𑂼	𑂽	𑂾	𑂿	𑃀	𑃁	𑃂	𑃃		
ह	𑃄	𑃅	𑃆	𑃇	𑃈	𑃉	𑃊	𑃋	𑃌	𑃍



## 7. कठिन शब्द

ब्राह्मी लिपि	लिप्यंतरण
D' ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	धंमानुसस्ठिय
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	मित्रसस्तुत
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	ब्राह्मण
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	अपव्ययता
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	व्रछा
४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००	त्रैदसवासाभिसितेन
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	कलिग
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	कुभा
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	खानापिता
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	चिलठितिके
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	तोसलिस
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	देवानंपियस
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	दानसविभागे
४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	दीपना
D' ४ ५ ६ ७ ८ ९ १०	धंमचलने

+51	क्याने
51	पान
6815	पवतसि
64251	पियदसिन
6511	पासंडानि
70	बुधे
04+51	बहुक्याने
8+	मक
81555	मनुसचिकीछा
885	ममया
8110	मुनिगाथा
8581	महामात
81	मोरा
1115	योनराजा
151	राजानो
16611	रोपपितानि



𑂔𑂗𑂢

लाजिन

𑂔𑂗𑂢

लिखिता

𑂔𑂗

लाजा

𑂔𑂗𑂢𑂢𑂢𑂢

लुंमिनिगामे

𑂔𑂗𑂢

विजित

𑂔𑂗𑂢𑂢𑂢𑂢𑂢𑂢𑂢

वीसतिवसाभिसितेन

𑂔𑂗𑂢𑂢

सक्यमुनी

𑂔𑂗𑂢

समाजो

𑂔𑂗𑂢𑂢𑂢𑂢

सिला फलाकानि

𑂔𑂗𑂢

समयें

𑂔𑂗𑂢𑂢

सुखीयन

𑂔𑂗𑂢

सवर

𑂔𑂗𑂢

सके

𑂔𑂗𑂢

सघ

𑂔𑂗𑂢

हिदतं

D'४४८४५	धंममहामाता
D'४४'□	धंमलिबि
D'४४'८	धंमलिपी
L+7	पक्ते
८६	पजा
५८५८	असोकस
५००८५८५८५८	अठवषअभिसितस
५८५८	अंतियोको
५८५८५८	अयतपुतस
५८५८५८	अलिकसुंदरो
५८५८५८५८	आचंदमभूलियं
५८५८	आहाले
५८५८	इयं
L□५८	उबलिके
५८५८	ओसुढानि
५८५८	केतलपुतो



Indian Coin Society Nagpur presents  
"Basic Course in Indian Numismatics".  
For beginners to learn basics of Indian Archeology,  
History, Brahmi, and the art of identifying coins with  
practical hands on experience.

**Compiled by:-**

**Prem Pues Kumar**

**[prem.stamps@gmail.com](mailto:prem.stamps@gmail.com)**

**09029057890**